JAIN DEEMED-TO-BE UNIVERSITY
CENTER FOR MANAGEMENT STUDIES

आभास- २०२४

-एक नया एहसास

“श्रवणीय और पठनीय पत्रिका ”

हिन्दी विभाग की पत्रिका अंक १४- २०२४

“महिलाओं की सुरक्षा है हर समाज की पहचान,
उनकी आवाज़, उनका हक, होना चाहिए सम्मान।
एक सुरक्षित दुनिया का सपना सबका है,
जहाँ हर महिला बेखौफ, जीवन जी सके स्वतंत्रता के साथ।”

www.jainuniversity.ac.in

www. cms.ac.in

अनुक्रमणिका

१. संपादकीय.....

२. सह संपादकीय-पत्र.....

३. नारी सुरक्षा.....१

४. हिंदी की आवाज़: एक सच्चाई की गूंज.....२

५. हिंदुस्तान.....३

६. ज़िंदगी.....४

७. माँ.....५

८. आरंभ.....६

९. भ्रांत मैं !.....७

१०. भारत की महिमा.....८

११. ग़ुमशुदा ज़माना.....९

१२. खुशी.....१०

१३. एक ही जीवन.....११

१४. मेरा परिचय.....१२

१५. संवेदनशील लोग.....१३

१६. पिता.....१३

१७. माँ तुम कितनी प्यारी हो.....१४

१८. शब्दों के खेल से दिलों के मेल तक.....१५

१९. नारी शक्ति.....१६

२०. शायरी.....१७

२१. जान बचाने वाला बदलाव: आवारा
कुत्तों के कॉलर की जाँच का महत्व.....१८

२२. आत्मविश्वास की अनदेखी शक्ति.....१९

२३.. असाधारण भारत.....२०

२४. कला.....२१- २२

२५.. चित्र प्रदर्शन.....२३- २४

२६. संकल्प एक नयी पहल.....२५

२७. गुरु पूर्णिमा.....२६

२८. गणेश चतुर्थी.....२७

२९. हिंदी दिवस-२०२४.....२९

३०. खुशी इवेंट.....२८

डॉ. चैनराज रॉयचंद,
कुलपति,
जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी)
बेंगलूरु

कुलपति का संदेश:

सफलताप्राप्त करने का सबसेसरल मन्त्र है अपने लक्ष्यकी ओर अग्रसर होनाऔर समय को अपनीमुट्ठी में बाँध कररख लेना। जै.वि.वि. सी.एम.एस. इसअर्थ में अपने विद्यार्थियोंको एक संपूर्ण शिक्षाप्रदान करता है। शिक्षासिर्फकिताबी ज्ञान पर आधारित नहींहोंती, बल्कि उसमें व्यावहारिकता और कलात्मकता दोनोंही समाहित होती है। युवापीढ़ी के समक्ष अनेकसोपान हैं जो उन्हेंसफलता की उँचाइयों तकपहुँचा सकती है। अत:मानसिक और बौद्धिक दृष्टिकोणमेंसतर्कता बरतना ज़रूरी है। 'आभास' पत्रिकाके नविन दृष्टिकोण केग्यारह वें प्रकाशन परमैं यही सन्देश देनाचाहूँगा कि आत्मविश्वास औरआत्मबल को टूटने नदें। आप सफलता कीउड़ान भरेंगे ।

डॉ. राज सिंह
उप- कुलपति
जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी),
बेंगलूरु

उप- कुलपति का संदेश:

मुझे गर्व है कि हमारे महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ‘आभास’ का यह अंक प्रकाशित हो रहा है। यह पत्रिका हमारे छात्रों की रचनात्मकता और महाविद्यालय के शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान का दस्तावेज है। हमारे महाविद्यालय ने सदैव छात्रों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित किया है। ‘आभास’ इस बात का प्रमाण है कि हमारे छात्र शैक्षिक क्षेत्रों के साथ-साथ साहित्य, कला और संस्कृति में भी सक्रिय और सफल हैं। मैं सम्पादकीय टीम को उनके प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ और इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए शुभकामनाएँ देता हूँ। छात्रों से अनुरोध है कि वे इसी प्रकार अपने सपनों की ओर अग्रसर रहें और महाविद्यालय का नाम गौरवान्वित करें।

डॉ. दिनेश नीलकंठ,
प्रति उप कुलपति,
जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी),
निदेशक,जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी), सी एम् एस
बेंगलूरु|

प्रतिउप कुलपति की कलम से:

सी.एम.एस. परिवार के प्यारे सदस्यों,
'आभास' पत्रिका के माध्यम सेआप सभी से बातकरते हुए मुझे अपारखुशी हो रही है। 'आभास' पत्रिका आपकी क्षमता, सोच, सृजनशीलता को समझने कीएक नयी दृष्टि प्रदानकरता है। पत्रिका केलिए लगी मेहनत, लगनऔर निष्ठा, निःसंदेह सराहनीय है। में सारेसदस्यों, संपादक मंडल और तमामसहयोगियों को बधाई देताहूँ और आशा करताहूँ कि आप सदैवकर्त्तव्य-पथ पर अग्रसररहेंगे।

डॉ. रजनी जयराम,
संस्कृत प्रोफेसर
भाषा विभागाध्यक्ष,
डीन-छात्र मामले,
जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी),
बेंगलूरु|

भाषा विभागाध्यक्ष की कलम से:

सेंटर फॉर मैनेजमेंट स्टडीज के भाषा विभाग ने अपने हिंदी प्रभाग के माध्यम से नियमित रूप से सार्थक और प्रासंगिक विषयों के साथ "आभास" पत्रिका प्रकाशित की है। वर्तमान संस्करण "नारी सुरक्षा" विषय को समर्पित है, जो एक बहुत ही महत्वपूर्ण वैश्विक चिंता है। इस पत्रिका को इसके वर्तमान स्वरूप में प्रकाशित करने के लिए संपादकीय समिति ने बहुत प्रयास किए हैं। मैं उन्हें बधाई देती हूँ और उनके भविष्य के सभी प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ देती हूँ।

हिंदी विभाग द्वारा

आभास- २०२४

-एक नया एहसास

अंक -१४

संपादकीय

बूँदबूँद इकट्ठा होकर सागर बनताहै। बूँदों में सागर हैऔर सागर में बूँदे।सागर की हर बूँदउसका हिस्सा है, उसका अंगहै क्योंकि बूँदों से ही सागरका अस्तित्व है। इसी सागरमें जीवन के दर्शनहोते हैं। हर महानकार्य के पीछे एकछोटा प्रयास अवश्य होता है। यहीप्रयास सागर के उनछोटे- छोटे बूंदों केसमान है जो सागरकी महानता का द्योतक बनतेहैं। साहित्य भी सागर केसमान है। एक सहृदयव्यक्ति की संवेदनाओं केलिखित रूप को साहित्यकहा जा सकता है।व्यक्ति की यह संवेदनाकविता, कहानी, जीवनी, गीत, गजल आदिरूपों में अभिव्यक्त होतीहैं। यह उसकी सहृदयताऔर भावुकता का संकेत मात्रनहीं बल्कि उसकी अभिव्यक्ति कासाधन भी है। उसकेरोते- हँसते हृदय की अकेलीमुस्कान भी।

आधुनिकतकनीकी युग में मनुष्यनई नई तकनीकों केपीछे भागने लगा है यहउसकी अनिवार्यता भी है किंतुइस दौड़ में अपनेलोग और अपने समाजके लिए उसके हृदयमें कंपन अवश्य होताहै। इस कंपन कोशब्द रूप देने काप्रयास ही यह 'आभास' पत्रिका है। छात्रों कीसाहित्यिक रुचि को जीवितरखना और उसके लिएमंच प्रदान करना इस पत्रिकाका मूल मंत्र है।

हिंदीविभाग की ओर सेप्रकाशित होने वाली 'आभास' पत्रिका हमारी साहित्यिक गतिविधियों तथा सामाजिक अभिरुचिका संकेत भी है।

प्रस्तुत 'आभास' पत्रिका के 12 वें अंक मेंछात्रों की साहित्यिक अभिव्यक्तिऔर सामाजिक अभिरुचि को विभिन्न रूपोंमें प्रस्तुत करने का प्रयासकिया गया है। उनकायह छोटा प्रयास भविष्यमें सुंदर एवं सजग रूपधारण करें यही शुभकामनामें देना चाहूंगी। भाषाएवं साहित्य संबंधी आभास को नयाआकार, नया रूप औरनई अभिव्यक्ति प्रदान कर आभास को 'एक नया एहसास' बनानेवाले प्रत्येक सहयोगी को अनंत धन्यवाद।आशा है यह अंकपाठकों के लिए ज्ञानवर्धकएवं प्रिय अवश्य लगेगा।

सुधा कनकानवर
सहायक प्राध्यापिका,
हिंदी विभाग,
सी एम एस,
जैन (डीम्ड-टू-बी यूनिवर्सिटी),
बेंगलूरु।

सह संपादकीय-पत्र

सेंटर फॉर मैनजमेंट स्टडीज़, जैन(अभिमत पात्र विश्वविद्यालय) के प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी निश्छल एवं निष्पक्ष शाब्दिक अभिव्यक्ति में किसी भी प्रकार से पीछे नहीं है। चाहे प्राकृतिक आपदा हो, भ्रष्टाचार हो या संवेदनाओ का सूखता सागर, वैज्ञानिक प्रगति की दिशा में बढ़ते कदम है, सबके प्रति सजग एवं संवेदनशील हैं। आशा है हमारे प्रबुद्ध पाठक इन नवोदित रचनाकारों की खामियों को अनदेखा कर उनके उत्साह को अवश्य सराहेंगे। यह अंक अपने पाठकों का भरपूर मनोरंजन कर सकेगा . . . आपके सुझाव ही हमारा संबल है ।

आदित्य एन. कश्यप

राहुल कुमार डंडोना

रिद्धि जैन

<u>संपादकीय सहयोग</u>

ईशा अग्रवाल | आदित्य सिन्हा| कुशाग्र जैन | परिणिता पी.

नारी सुरक्षा

महिलाओं की सुरक्षा समाज की प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह न केवल महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करता है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक स्थायी और सकारात्मक प्रभाव डालता है। जब महिलाएं सुरक्षित महसूस करती हैं, तो वे अपनी क्षमता को पहचानने और उसका उपयोग करने में सक्षम होती हैं, जिससे वे शिक्षा, कार्यक्षेत्र, और समाज में योगदान कर पाती हैं।

महिलाओं की सुरक्षा का सीधा संबंध उनकी आत्म-सम्मान और स्वतंत्रता से है। यदि महिलाएं डर या असुरक्षा के माहौल में जीती हैं, तो यह उनकी मानसिक और भावनात्मक सेहत पर बुरा प्रभाव डालता है। इसके परिणामस्वरूप, वे अपने अधिकारों की रक्षा करने में असमर्थ होती हैं और सामाजिक और आर्थिक अवसरों से वंचित रह जाती हैं। एक सुरक्षित समाज में महिलाएं न केवल अपने लिए, बल्कि अपने परिवार और समुदाय के लिए भी एक मजबूत आधार तैयार कर सकती हैं।

महिलाओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए समाज को कई पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए। पहला, शिक्षा का महत्व है। जब महिलाएं शिक्षित होती हैं, तो वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं और अपने खिलाफ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठा सकती हैं। इसके अलावा, पुरुषों और महिलाओं दोनों को इस दिशा में एकजुट होकर काम करना चाहिए। पुरुषों को महिलाओं के अधिकारों का समर्थन करना और हिंसा के खिलाफ खड़े होना चाहिए।

दूसरा, कानून और नीतियों की मजबूती भी महत्वपूर्ण है। सरकार को महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों के खिलाफ सख्त कानून बनाने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता है। पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को महिलाओं के प्रति संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण होना चाहिए। इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

तीसरा, समाज में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। विभिन्न समुदायों में महिला सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। मीडिया और सामाजिक संगठनों का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। जब समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता का भाव विकसित होगा, तो यह स्वत: ही उनकी सुरक्षा को बढ़ावा देगा।

अंत में, यह कहा जा सकता है कि महिलाओं की सुरक्षा केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के सभी सदस्यों की सामूहिक जिम्मेदारी है। जब हम सभी मिलकर महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रयास करेंगे, तब ही हम एक सशक्त और समृद्ध समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें शिक्षा, कानून, और सामाजिक बदलाव शामिल हैं। यह न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए लाभकारी होगा। इसलिए, हमें एक साथ मिलकर इस दिशा में प्रयासरत रहना चाहिए।

हिंदी की आवाज़: एक सच्चाई की गूंज

कल रात, सोचो मेरे सपने में कौन थी आई,
उदास सी बैठी थी फिर पास मेरे वो आई,
मैंने पूछा हिंदी से ,इतनी गुमसुम हो कैसे,
आज तो तुम्हारा दिन है आया,
तुम जैसी प्यारी भाषा को हमने पाया,

हिंदी फिर बोली मुझसे ,खुश भला रहूं कैसे,
ऐसा मान मैंने पाया ,साल का एक दिन है मैंने पाया,
अपने ही देश में हूं मैं पराइ ,ऐसा मानना चाहूं भाई,
मेरे बच्चे मुझे है जाने ,धोका अंग्रेजी का माने।

मैंने बोला हिंदी से ,माफ कर दो यह जो भूल हुई हमसे,
संस्कृति की लाडली बेटी हो तुम,
बहनों को सदैव साथ लेकर चलती हो तुम,
सुंदर मनोरम मीठी हो तुम,
सरल ,ओजस्विनी और अनूठी हो तुम,
पाथेय ,प्रवास परिचय का सूत्र हो तुम,
मैत्री जोड़ने की संकल हो तुम,
साहित्य की असीम सागर हो तुम,
तुलसी ,मीरा और कबीर के भजनों का सहारा हो तुम।

भारत माता की शान है हिन्दी,
हर भारत्य की पहचान है हिन्दी,
विश्व में करोड़ों भाषाएं हैं ,पर सबसे प्यारी भाषा है हिन्दी,
देश में बोलते हैं लोग भाषाएं कई ,
पर भारत माता के माथे की बिंदी है हिंदी।।

-रिद्धि जैन
3 बीबीए जे

सुनने के लिए स्कैन करें!

हिंदुस्तान

हिंद के वेरो की हुंकार आएगी,
जो जीत सभी जंग जाएगी
सूर्य की वो किरण भी आएगी
धर्मनिरपेक्ष का टीका हटाएगी
घर लौट मेरी पतंग आएगी
वेरो सी चमक होगी तेजस,
तब लोग कहेंगे उन्हें न बेबस,
हर्ष की एक उमंग आएगी,
आवाज मुख से प्रबल आएगी
राम का पक्ष विजय होगा,
राही को न कोई भय होगा,
केसरिया लिपटी तरंग आएगी,
जयघोष बजती मृदंग आएगी

-कुशाग्र जैन
5 बीबीए एसटीएफ

सुनने के लिए स्कैन करें!

ज़िंदगी

ज़िंदगी यू तो केवल कुछ शब्दों से बनी है तू,
मगर सारी दुनिया हार जाये जिसके सामने, वो है तू।
तू मिलती तो सबको एक समान है, फिर इतना भेदभाव क्यों ?
किसी को सुख, तो किसी को दुख क्यों ?

जो सुलझा ले तेरी सुख दुख की घाट,
और समझ जाए तुझे,
वही कमियाब है।
उसकी तू ख़ुशी, गर्व और शान है,
पर अगर जो उलझा तुझमें,
उसके लिए तू शमशान है।

हाँ ज़िंदगी है तू मुश्किल,
पर बन तू कुछ ऐसा,
की तेरे लफ़्ज़ों से ज़्यादा तेरी कामयाबी बोले।
और होंगे मंज़र में तेरी दुख बहुत,
पर मंज़िल तक पहुँचने से पहले तुझे रुकना नहीं है,
होगा जब तक तू इसमें सफल, तुझे थकना नहीं है।

तुझे जो बनना है बन,
जो करना है कर,
क्योकि ज़िंदगी एक ही है,
इसे जी भर जीयो,
कल ये समां हो ना हो।

- रुचि जैन
3 बीएजे ए

सुनने के लिए स्कैन करें!

माँ

आई दिमाग में कुछ एक बात
सोने नहीं दिया जिसने पूरी रात ।
9 महीना सता कर
कुछ दिसंबर में मैं पैदा हुआ।
अल्प- अल्प याद है मुझे..
माँ को सबसे पहले मम्मा बुलाया
कटे कुछ दिन फिर माँ बोल पाया ।
घर में घुसते ही 'माँ कहां है" सवाल आता है ।
कुछ सामान ना मिले
ना जाने माँ को कैसे मिल जाता है।
टूट गया था कुछ परिस्थितियों में
मां ने मुझे संजोया है
बिखर गया था जैसे माला मोती की
ही थी जिसने पिरोया है ।।
क्या बताऊं यारो.
माँ
हमारे उज्जवल भविष्य की मशाल को उन्हीं के हाथों से जलाया जाता है
क्या उनकी कुछभी मनोकामनाएं नहीं क्या ?
"माँ, बेटी और बहू" का किरदार ही
उनकी अर्ध आयु ले जाता है।
मित्रों क्या लिखूं मां पर
माँ तो खुद अनंत शब्दों की एक कविता है
संतान के लिए देह जिसका पवित्र जैसे गीता है।

-कुशाग्र जैन
5 बीबीए एसटीएफ

सुनने के लिए स्कैन करें!

आरंभ

गया दिन पुराना ,
डिजिटल हुआ ज़माना
व्हाट्सएप बना दीवाना
पत्र हुआ पुराण,
गांवों - गांवों में
पहंच रहा,
बिजली का प्रभाव.
लोगो की मेहनत कम हुई, नष्ट हुआ अभाव

दूर की उडान भरना,
पहले था एक सपना
अब है बात साधारण,
देश - विदेश में विचरण
समय-समय पर बदलना,
प्रकृति का है स्वभाव,
मेहनत उसपर करना,
हमारा है बदलाव

-प्रियांशु प्रभात
3 बीबीए आई

सुनने के लिए स्कैन करें!

भ्रांत मैं !

“ सहर सा,मयासर सा ,
हर प्रश्नो के जवाब सा।
गुमशुदा हुआ अपनी बातों में ,
बिन काटो के गुलाब सा।
खयालों में डूबता हर वक्त ,
हर मुश्किलों में नवाब सा।
वो भीड़ के किनारे चलता ,
हुर्मत के नायाब सा।
वो खामोशी में बैठकर ,
लिखता हर बात बेताब सा।
सहर सा, मयासर सा ,
वो खुद में खोया जवाब सा !”

-कुशाग्र जैन
5 बीबीए एसटीएफ

सुनने के लिए स्कैन करें!

भारत की महिमा

पूरी धरती पे सबसे ऊँची जिस देश की शोहरत वो देश है मेरा, मेरा महान भारत भारत देश की ऐसी ताकत कि पूरा जग करे सलाम, ऐसी इस देश की शोभा और इज्जत

गर्व है मुझे, जन्म हुआ मेरा इस मिट्टी पर अनगिनत जाने हुई शहीद इस धरा के लिए, फक्र करता उन पर भारत का हर सिर हमारी सेना है ऐसी फौलादी, जिनकी बदौलत हम रहते और सोते बेफिक्र

सबसे ऊँची इस देश की चोटी और सबसे नीचा इसका शिखर अन्य देश की हुकूमत हुई कई साल, सालों साल, मगर लौटी इसकी आज़ादी, लहराया तिरंगा और झूमा फिर से इसका हर डगर

भारत माता की जयकारा हमेशा आसमान छूता रहे झंडा हमारा इस देश का हमेशा रहेगा ये नारा सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा

देवभूमि भारत माता पर, हम सबको अभिमान है पावन कण-कण यहाँ अनोखा, दर्शन यहाँ महान है

-तुषार आर आर
3 बीबीए एफ एंड ए

सुनने के लिए स्कैन करें!

ग़ुमशुदा ज़माना

है खबर नहीं ज़माने की तेरे आंचल से अभी लिपटी हूँ।
वो घूर रहा मुझे ग़ैर समझ कर, आँखों पर उसकी झपटी हूँ।
पलकों पर बिठा रखा है सबने,
क्योंकि मैं एक लड़की हूँ।
बड़ी हो जाऊं, इतिहास रचूँ,
पर कुछ अनहोनी से मैं डरती हूँ।
आज छब्बीस (26) की हूँ, पच्चीस (25) बातें मैं समझ रही हूँ,
वो एक समझ नहीं आया
जिसकी शिकार मैं हो रही हूँ।
बचपन में आँखें झपटी थी जिसकी,
वही आज पीछे पड़ा है।
माँ ये कैसी दुनिया है
जहाँ हर कोई नज़रों का बहुत बुरा है।
मुझे फिर से उस बचपन में ले चलो, माँ, तेरे आँचल में मुझे फिर से समेट लो ।

- देबलीना चक्रवर्ती
5 बीबीए एसटीएफ

सुनने के लिए स्कैन करें!

खुशी

जिसे देख दिल को चैन आए, वो है ख़ुशी
जहाँ मन मंद मुस्काए, वो है ख़ुशी

पत्थर को मैं पूजूं, वो आस्था है ख़ुशी
मंज़िल का भय न हो, वो रास्ता है ख़ुशी

मैं पुराने किए गलतियों से सीख लूं
अपने मन के भावों को एक पन्ने पर लिख लूं

सालों बाद जब वो पढ़, मन मुस्काए, वो है ख़ुशी
जिसे देख दिल को चैन आए, वो है ख़ुशी

माँ की लाई हुई वो बालियाँ
दोस्तों की नव रचित गालियाँ

पापा का मुझ पर शान दर्शाता है ख़ुशी
जिसे देख दिल को चैन आए, वो है ख़ुशी

-नवनीत झा
5 बीबीए जे

सुनने के लिए स्कैन करें!

एक ही जीवन

था मैं गेहरी नींद में
मुझे इतना सजाया जा रहा था बड़े प्यार से मुझे
नहलाया जा रहा था।
न जाने वह कौन सा
अजब खेल था मेरे घर में बच्चों की तरह मुझे
कंधे पर उठाया जा रहा था।
था पास मेरे हर अपना उस वक़्त फिर भी मैं हर किसी के मन से
भुलाया जा रहा था।
जो कभी देखते भी न थे
मोहब्बत की निगाहों से मुझे
उनके दिल से भी प्यार मुझ पर लुटाया जा रहा था।
मालूम नहीं क्यों हैरान था हर कोई मुझे सोते देख कर जोर-जोर से रोकर
मुझे जगाया जा रहा था ।
कांप उठी मेरी रूह वह मंज़र देखकर
जहां मुझे हमेशा के लिए
सुलाया जा रहा था।
मोहब्बत की इंतेहा थी
जिन दिलों में मेरे लिए उन्हीं दिलों के हाथों से मैं
जलाया जा रहा था।

- देबलीना चक्रवर्ती
5 बीबीए एसटीएफ

सुनने के लिए स्कैन करें!

मेरा परिचय

मेरे जनम का सार यही लोगों को धर्म सिखाना है
ब्राह्मण कुल की मर्यादा रख सबको मार्ग दिखाना है

मैं शांत हूँ तो सुदामा समझो, मैंने भी मित्रता निभाई है
धर्म साम्राज्य के खातिर चाणक्य सी नीति बनाई है

5 प्रतिशत होते हुए एक तिहाई हमारी है
भक्ति है रावण सी, महादेव से सिद्धि पाई है

परमपिता ब्रह्मा का पुत्र मैं पंडित कहलाता हूँ,
क्रोध अगर आये तो मैं ही परशुराम बन जाता हूँ

शास्त्रों का ज्ञान माँ के गर्भ से ही पाया हूँ
जातिवाद का भाव नहीं, बस परिचय अपना दिखाया हूँ।

-नवनीत झा
5 बीबीए जे

सुनने के लिए स्कैन करें!

संवेदनशील लोग

दिल में रखते हैं बेमिसाल एहसास,
दूसरों के दर्द को भी समझें हर बार।
सुख-दुख के संग सफर में चलते हैं,
संवेदनशील लोग दिल से हंसते हैं, रोते हैं।

छोटी सी बात भी गहरे उतर जाती है,
अंदर की दुनिया में हलचल मचाती है।
इनकी ख़ामोशी में भी सागर की गहराई है,
संवेदनशीलता इनकी सबसे बड़ी सच्चाई है।

सुनने के लिए स्कैन करें!

-अनुष्का
जायसवाल
5 बीबीए एच

पिता

सारे दुख और दर्द मिटाने वा ला ,
सही वक्त पर हसने वाला , बच्चों को हर मुश्किल से बचा ने वाला , ...पिता
पिता के बिना जिंदगी वीरान है, वही तो हमारी जमीन और आसमा न है,है
वही खुदा और वही भगवा न है।

-दीपाली वी नाहर
3 बीबीए जी

सुनने के लिए स्कैन करें!

माँ तुम कितनी प्यारी हो

देख कर तेरे नैना नाजाने क्या कहती हो कहना चाहती बहुत कुछ
जाने किससे डरती हो बेटा है बुरा मान जाएगा ये बात उसके दिल
को छू जाएगा यही सोच के मन की बात मन में ही रख लेती हो माँ
तुम कितनी प्यारी हो....

भाई - बहन के झगड़े में मुझे ज़्यादा सुनाती हो अकेले खींच ला
प्यार से समझाती हो पापा से छुपा कर पैसे दे जाना मेरी नादानियों
पे सबसे सुनना इतना बुरा भी नहीं है बेटा मेरा यही बोल के खुद को
संभाल लेती हो माँ तुम कितनी प्यारी हो....

अपना ख्याल रखना बोल गले लग जाती हो मुस्कान दिखाकर
आँसू तुम छिपाती हो आज यहाँ है कल को बाहर जाएगा पढ़ -
लिख कर बेटा नाम कमाएगा निस्वार्थ भावना से हर चीज़ कर आई
हो माँ तुम कितनी प्यारी हो....।

-नवनीत झा
5 बीबीए जे

सुनने के लिए स्कैन करें!

शब्दों के खेल से दिलों के मेल तक

एक बात मुझे तो समझ आ गई है कि दो दिल मिल गए हैं,
यह कैसे पता चलता है:

जब तीन दिनों तक वह लगातार तुमसे प्यार भरा जिक्र करवाती है,
चार कदम चलने पर धड़कनें जब रुक सी जाती हैं,

पाँच छोटी बातों से जब पूरी कहानी बनकर खड़ी हो जाती है,
छह नंबर वाली भरी बस में उसके पास वाली सीट हमेशा खाली रह जाती है,

साथ रंगों में उसका चेहरा तुम्हारी आत्मा को सजाता है,
आठ बजते ही जब उसके दीदार की याद तुम्हें सताती है,

सात जन्मों का विश्वास ऐसा तुम्हें दिलाती है,
इसी बहाने छह दिनों तक तुम्हारे दिल में खुशी तो आ जाती है,
पाँच लोगों के बीच भी तुम्हें उसी की फरियाद आती है,

चार पल की ज़िन्दगी में तुम्हारी आत्मा तीन पल उसी को सौंप कर चली जाती है,
और तब ये दो ज़िन्दगियाँ मिलकर एक प्यार की कहानी सजाती हैं।

-आदिसंकेश
1 बीबीए एसटीएफ

सुनने के लिए स्कैन करें!

नारी शक्ति

हमारी खामोशि को, निर्बलता से हो माप रहे
हमारी चुप्पी को, बेचारी समझ तुम भाप रहे
कभी पिता कभी पती के, सम्मान कि हूँ प्रतिक में
अपमान यदि सहन ना हो, सती बन भस्म हुई में
इस त्याग को खुद खुशी ना समझो, हर सक्ती थी सबके प्राण मैं
जिस पिता ने चलना सिखाया, कैसे ले लेती जान मैं
ममता की पर्तिक हूँ मैं, जीवन उत्पत्ति मुझसे ही
परिवार चलाना कर्म मेरा, बुद्धि विकास मुझसे ही
शक्ति पे घमंड तुम करते हो, मैं खुद शक्ति कहलाती हूँ
कायर बन रह जाते हैं, मैं दूर अगर चली जाती हूँ
हूँ पतिव्रता मैं सीता सी, अग्नि जलाने से डरे
दूसरा छुना चाहे तो, जोहर मेरा इतिहास रचे
पापी के संघार को मैं, चंडी स्वरूप में आती हूँ
सुद्ध मन से पूजा करे तो, सीधी बुद्धि दे जाती हूँ

-नवनीत झा
5 बीबीए जे

सुनने के लिए स्कैन करें!

शायरी

अर्ज़ किया है.

मैं तोड़ लेता अगर तुम गुलाब होती
मैं जवाब बनता अगर तुम सवाल होती
सभी जानते हैं कि मैं नशा नहीं करता
फिर भी पी लेता अगर तुम शराब होती..

अर्ज़ किया है.

हिम्मत कर सब्र कर,
बिखर कर भी सबर जाएगा,
यकीन कर शुकर कर,
वक़्त ही तो है गुज़र जायेगा...

-आदित्य अग्रवाल
3 बीबीए जी

सुनने के लिए स्कैन करें!

आत्मविश्वास की अनदेखी शक्ति

आत्मविश्वास एक ऐसी चीज है जिसके महत्व को हम हमेशा कम आंकते हैं। हम हर बार आत्मविश्वास से ऊपर ज्ञान को रखते हैं और यही वह बिंदु है जहाँ हम जीवन में कभी-कभी पिछड़ जाते हैं। हम ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ ज्ञान हर जगह उपलब्ध है। हमारे पास सभी संसाधन हैं, तो क्यों न हम अपना कुछ समय अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने में लगाएँ। प्रेरित होने और वास्तव में शुरुआत करने के बीच एकमात्र अंतर आत्मविश्वास का है।

किसी व्यक्ति का आत्मविश्वास बनाने में मदद करने वाला मुख्य कारक आत्म-प्रेम है। खुद को सकारात्मक रखना, जो हम हैं उसे स्वीकार करना और खुद से प्यार करना हमारे अंदर आत्मविश्वास ला सकता है। हम कभी-कभी खुद की तुलना दूसरों से करने लगते हैं, जिससे हम खुद को हतोत्साहित करते हैं। और यह स्पष्ट है कि एक निराश व्यक्ति किसी भी स्थिति में आत्मविश्वासी नहीं हो सकता। शोध में पाया गया है कि जिन लोगों का आत्म-सम्मान बहुत अधिक होता है या जो खुद के प्रति अधिक सकारात्मक होते हैं, वे अधिक खुश और आत्मविश्वासी होते हैं।

एक और कारक जो लोगों को कम आत्मविश्वासी बनाता है, वह है असफलताओं से डरना। कुछ लोग एक बार कोशिश करते हैं, और अगर वे असफल हो जाते हैं, तो वे इतना तनाव लेते हैं और इतना अधिक सोचते हैं कि अंततः वे हतोत्साहित हो जाते हैं। कुछ लोग कई बार कोशिश करते हैं, कई बार असफल होते हैं और फिर वे हतोत्साहित हो जाते हैं। जीवन में असफलताओं का सामना करना ठीक है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप प्रयास करना छोड़ दें। कई बार असफल होने से किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए, इससे हमेशा एक ही चीज़ मिलनी चाहिए और वह है अनुभव। आत्मविश्वासी होने के लिए अनुभव सबसे ज़रूरी हिस्सा है। अगर हमारे पास अनुभव है, तो हम कह सकते हैं कि हम फिर से शुरुआत नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम वहीं से शुरू कर रहे हैं जहाँ से हमने छोड़ा था। दोस्तों, आप जानते हैं कि किसी व्यक्ति को असफलता से डर नहीं लगता, बल्कि उसे असफलता के नकारात्मक विचार और परिणाम परेशान करते हैं। अंत में, मैं यह कहना चाहूँगा कि आत्मविश्वास हमेशा सही होने से नहीं आता, बल्कि गलत होने से न डरने से आता है।

-आदित्य सिन्
5 बीएवीहा

सुनने के लिए स्कैन करें!

जान बचाने वाला बदलाव: आवारा कुत्तों के कॉलर की जाँच का महत्व

एक शाम, घर जाते समय मैंने एक छोटे से आवारा पिल्ले को देखा जिसके गले में चमकदार रिफ्लेक्टिव कॉलर था। यह एक विचारशील पहल थी जिसे नगरपालिका अधिकारियों ने इन कुत्तों को रात में अधिक दिखाई देने योग्य बनाने के लिए किया था। हालाकि, कुछ हफ्तों बाद, मैंने देखा कि वही पिल्ला एक स्वस्थ कुत्ते में बदल गया, लेकिन कॉलर का आकार वही रहा।

एक दिन, मैंने देखा कि वह कुत्ता सांस लेने में कठिनाई महसूस कर रहा था, क्योंकि अब कॉलर उसके गले में बहुत तंग हो चुका था। यह दिल दहला देने वाला दृश्य था। मैंने तुरंत कुत्ते के पास जाकर कॉलर को ढीला किया, जिससे वह फिर से आसानी से सांस लेने लगा। इस घटना ने मुझे यह एहसास दिलाया कि जैसे हम कुत्तों का टीकाकरण करते समय ध्यान रखते हैं, वैसे ही इन कॉलरों की नियमित जाँच करना भी बहुत ज़रूरी है।

मैं सभी से इस विषय पर ध्यान देने का आग्रह करता हूँ। जब भी आप किसी सड़क के कुत्ते को कॉलर पहने देखें, कृपया यह जाँच करें कि क्या वह ठीक से फिट है। आप ऐसा तब कर सकते हैं जब आप अपनी दो उंगलियाँ कॉलर और कुत्ते के फर के बीच रखें। यदि आपकी उंगलियाँ आसानी से अंदर-बाहर होती हैं, तो कॉलर ठीक से फिट है।

-राहुल कुमार डंडोना
5 बीबीए ई

सुनने के लिए स्कैन करें!

असाधारण भारत

भारत एक ऐसा देश है जो विविधता में एकता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। इसकी समृद्ध संस्कृति, प्राचीन इतिहास, और प्राकृतिक सौंदर्य इसे विश्व के नक्शे पर एक विशेष स्थान प्रदान करते हैं। भारत की भूमि पर विभिन्न धर्मों, भाषाओं, और परंपराओं का संगम होता है, जो इसे एक अद्वितीय पहचान देता है।

भारत की संस्कृति हजारों साल पुरानी है। यहाँ के प्रमुख धर्म जैसे हिंदूism, Buddhism, Jainism और Sikhism ने न केवल भारत को बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित किया है। इसके अलावा, इस देश में इस्लाम, सिख धर्म और अन्य धर्मों के अनुयायी भी हैं, जो सभी मिलकर एक समृद्ध और विविध समाज का निर्माण करते हैं।

भारत का इतिहास भी उतना ही रोचक है। यहां के कई प्राचीन किले, मंदिर, और स्मारक जैसे ताज महल, कुतुब मीनार, और अजंता-एलोरा की गुफाएँ विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं। ये स्थान न केवल भारत की स्थापत्य कला के उदाहरण हैं, बल्कि यहाँ की सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को भी दर्शाते हैं।

प्राकृतिक सौंदर्य की दृष्टि से भी भारत अनोखा है। हिमालय की बर्फीली चोटियाँ, गोवा के सुनहरे समुद्र तट, थार के रेगिस्तान और पश्चिम बंगाल के घने जंगल, सभी इसे एक पर्यटन स्थल बनाते हैं। यहां की विविध जलवायु और भौगोलिक संरचना विभिन्न प्रकार के जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का घर है।

भारतीय खाना भी इसकी विविधता का एक अहम हिस्सा है। हर क्षेत्र का अपना विशेष व्यंजन है, जो न केवल स्वाद में अद्वितीय है, बल्कि इसकी तैयारी में भी खासियत है। मसालों की अद्भुत विविधता और स्थानीय उत्पादों का उपयोग भारतीय खाना को एक अलग पहचान देता है।

भारत के लोग अपनी मेहमाननवाज़ी और सरलता के लिए प्रसिद्ध हैं। 'अतिथि देवो भव:' का सिद्धांत यहाँ की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। यहाँ के लोग अपने मेहमानों को सम्मान और प्यार से स्वागत करते हैं।

इस प्रकार, भारत न केवल एक देश है, बल्कि एक भावना है। इसकी विविधता, संस्कृति, और इतिहास इसे असाधारण बनाते हैं, और यही कारण है कि इसे 'इंस्पायरिंग इंडिया' कहा जाता है। भारत के अनुभव को समझने और महसूस करने के लिए एक जीवन पर्यन्त यात्रा की आवश्यकता है।

-आदित्य नारायण कश्यप
5 बीबीए ई

सुनने के लिए स्कैन करें!

कला

-आयुषी ढांढनिया
5 बीबीए एफ

ईशा अग्रवाल-
5 बीबीए एफ

-अनीश सिंहल
5 बीबीए एफ एंड ए

कला

-संदीप टी.जे
3 बीबीए एफ एंड ए

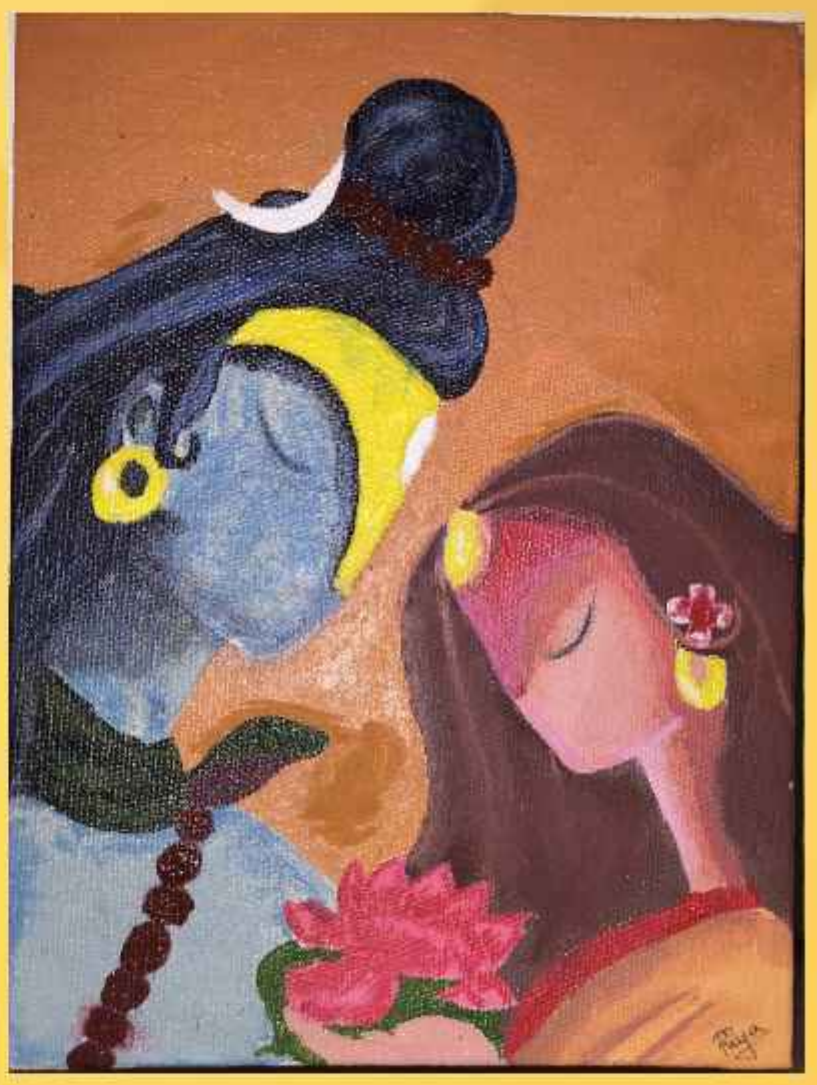

रिया बजाज-
3 बीबीए जे

-आयुषी ढांढनिया
बीबीए एफ

चित्र प्रदर्शन

-आश्रिता चावला
5 बीबीए एच

अनुष्का जयसवाल-
5 बीबीए एच

-यश कंकलिया
3 बीबीए बी

चित्र प्रदर्शन

-परिणिता पी.
5 बीबीए सी

आश्रिता चावला-
5 बीबीए एच

-परिणिता पी.
5 बीबीए सी

संकल्प- एक नयी पहल

'संकल्प' एक संघ नहीं बल्कि हिन्दी विभाग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी शुरुआत हमारे पूर्व अध्यापकों दवारा की गयी थी, अब हमारी विभागाध्यक्षा डॉ. सुधा कनकानवर के नेतृत्व में हम इस संघ को आगे बढ़ाने का पूर्ण प्रयास कर रहे हैं, जिससे भारत की भाषा और सभ्यता को अक्षुण्य रख सकें और लोगों में हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम, सम्मान एवं जागरूकता ला सकें।

'संकल्प' की शुरुवात जिस सोच और जिस उद्देश्य से की गई थी उसे पूर्ण रूप से सफल बनाने में आज भी विद्यार्थी लगे हुए हैं। उनकी यही चाह और कोशिश संकल्प को हर साल और बेहतर बना रही है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के साथ - साथ संकल्प अपनी सीमा को धीरे धीरे आगे बढ़ रहा है और ऐसे ही बढ़ता रहेगा। आभास-पत्रिका, अलफ़ाज़, खुशी, ओपेन माइक, और भी कई विधाओं के द्वारा लोगों तक पहुँचने के मौके मिल रहे हैं और संकल्प की कोशिश रहेगी की आगे भी मिलते रहें।

गुरु पूर्णिमा

गुरु पूर्णिमा ही एकमात्र ऐसा त्यौहार है जो हमें अपने शिक्षकों के प्रति हमारा आभार और स्नेह प्रकट करने का अवसर प्रदान करता है। हर साल इस दिन हम शिक्षक कक्ष को सजाते हैं। हम उनके लिए विभिन्न प्रकार के मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं ताकि उनका दिन आनंदमय हो। हम शुभकामनाओं के साथ मिठाइयाँ, कार्ड और गुलाब समर्पित करते हैं ताकि हमें उनका ज्ञान भंडार और आशीर्वाद अविरत रूप से मिलता रहे।

गणेश चतुर्थी

गणेश चतुर्थी हमारे सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसे मनाने पर बहुत गर्व है। गणेश चतुर्थी मनाने का मुख्य उद्देश्य है हमारी संस्कृति और धर्म के महत्व को संचार करना और छात्र-छात्राओं को भगवान गणेश की आराधना का मौका प्रदान करना।
गणेश चतुर्थी के द्वारा हम छात्रों को एक भाग्यशाली और सफल जीवन की कामना करते हैं।

हिंदी दिवस-२०२४

हिन्दी दिवस प्रत्येक वर्ष १४ सितम्बर को मनाया जाता है। हिंदी दिवस पर, हमने अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता आयोजित की थी जिसमें जैन विश्वविद्यालय के अन्य शाखाओं से विभिन्न विद्यार्थियों ने भाग लिया था। इसमें निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद, पिक एन स्पीक, निबंध लेखन, कविता जैसे कई अलग-अलग कार्यक्रम भी थे । सभी प्रतिभागी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे थे और सभी ने कार्यक्रम का आनंद लिया

खुशी इवेंट

"खुशी इवेंट" एक अनोखा और हृदयस्पर्शी कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों और अवसर हीन वर्ग के बच्चों को आनंद प्रदान करना है और सामर्थ्य अनुसर उनकी आवश्यकताओं को भी पूर्ण करना है। यह एक दिन है जो प्यार, हंसी और दया के कार्यों से भरपूर होता है, जहां स्वयंसेवक और भागीदार साथ आकर्षित होते हैं और खुशी के पल साझा करते हैं। इस घटना का उद्देश्य जरूरतमंदों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालना है, तथा दयालुता और समुदाय का महत्व समुचित तरीके से दर्शाना है।

JAIN (Deemed-to-be University)
Center For Management Studies
133, Lalbagh Main Road, Bengaluru-560027.
www.cms.ac.in